SENTENCES TO TRANSLATE / VIGNETTES		
VIGNETTE 1	**English original version**	**Hindi version (note: Other than the text of the tweets, this should be translated in spoken style. I.e., how a TV/radio journalist would say these things.)**
Rumor	Let me tell you about the incidents that are described in this social media post. In this area, last January, people heard a rumor on social media. The rumor said that a Muslim man had abducted a Hindu woman in order to marry her. One day, when the Muslim man returned home from work, an angry mob attacked the neighborhood of the Muslim man. In the ensuing destruction, many buildings were burnt, as you can see in the photo.	इस सोशल मीडिया पोस्ट में लिखी घटना के बारे में आपको विस्तार से बताता/बताती हूँ। पिछली जनवरी में इस इलाक़े के लोगों ने सोशल मीडिया पर एक अफ़वाह सुनी। अफ़वाह के अनुसार एक मुस्लिम आदमी ने एक हिंदू महिला का अपहरण कर के उसकी साथ शादी कर ली। एक दिन जब वह मुस्लिम आदमी काम से लौट कर घर आया तो एक गुस्साई भीड़ ने उस मुस्लिम आदमी के मोहल्ले में हमला किया। जैसा कि इस तस्वीर में देख सकते हैं, इस हिंसा और तोड़फोड़ में कई इमारतें जला दी गयीं।
Correction	Subsequent to this incident, reporters from several main Hindi news channels – such as Aaj Tak, Zee News, and NDTV spent a month thoroughly investigating the story. They interviewed dozens of local stakeholders with knowledge of the case- such as the police, eyewitnesses, neighbors, netas. Finally their investigation found that the initial rumor was actually baseless- it was a love marriage, and the Muslim man had not kidnapped the Hindu woman, as the post claimed. The mob violence took place because of false information.	इस घटना के बाद, कई न्यूज़ चैनलों जैसे – आजतक, ज़ी न्यूज़ और एनडीटीवी के पत्रकारों ने इलाक़े में एक महीने तक रह कर इस घटना के बारे में छानबीन की। इन पत्रकारों ने कुछ स्थानीय लोगों से बात की जिन्होंने घटना को होते हुए अपनी आँखों से देखा - इन स्थानीय लोगों में पुलिस, चश्मदीद, पड़ोसी और नेता शामिल थे। इन पत्रकारों की छानबीन में पता चला कि शुरू में जो अफ़वाह उड़ी वह निराधार थी – यह शादी एक लव मैरिज/प्रेम विवाह थी और मुस्लिम आदमी ने हिंदू महिला का अपहरण नहीं किया था, जैसा कि सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया था। हिंसा की यह घटना एक गलत जानकारी पर आधारित थी।
positionality1	After the incident, local police sprung into action. They immediately decided to investigate whether a crime had actually been committed- whether the Muslim man had actually abducted the Hindu woman—as the rumor suggested.	घटना के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने तय किया की वह इस बात की छानबीन करेगी की कोई अपराध हुआ भी है की नहीं और क्या वाक़ई में मुस्लिम आदमी ने हिंदू महिला का अपहरण किया था, जैसा कि अफ़वाह उड़ी थी।
positionality2	After the incident, local police sprung into action. They immediately started to round up the vigilante mob and arrested them for unlawfully taking justice into their own hands.	घटना के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने हरकत में आते ही हिंसक भीड़ को ~~पकड़ना~~ शुरू किया क्योंकि भीड़ ने ग़ैरक़ानूनी तरीक़े से न्यायिक प्रक्रिया को अपने हाथों में लिया था।

text of tweet	Viral Claim that muslim Man Had abducted Hindu Woman to Forcibly Marry her leads to destruction by Angry Mob in xxxxxx.	मुस्लिम आदमी द्वारा हिंदू महिला का अपहरण कर के उससे जबरन शादी करने के वायरल दावे से गुस्साई भीड़ ने xxxxxx में की तोड़फोड़ और मचाई तबाही
VIGNETTE 2		
Rumor	Let me tell you about the incidents that are described in this social media post. In this area, earlier this year, people heard a rumor on social media. The rumor said that a Muslim men were conspiring to spread coronavirus in other neighborhoods by spitting on fruits and vegetables. One day, when a some Muslim men were walking back home, an angry mob gathered around the men, accusing them of spreading corona. The mob said they wanted to take revenge and proceeded to burn Muslim shops and destroy property in the area.	अब मैं आपको इस सोशल मीडिया पोस्ट में लिखी घटना के बारे में विस्तार से बताता/बताती हूँ। इस साल के शुरुआत में लोगों ने सोशल मीडिया पर एक अफ़वाह देखी। अफ़वाह के हिसाब से मुस्लिम आदमी दूसरे गाँवों और मोहल्लों में फ़लों और सब्ज़ियों पर थूक कर कोरोना फ़ैलाने की साज़िश रच रहे थे। एक दिन जब कुछ मुस्लिम आदमी अपने घरों की ओर वापस जा रहे थे तो उस वक़्त एक गुस्साई भीड़ ने उनको घेर लिया और उन पर कोरोना फ़ैलाने का आरोप लगाया। भीड़ ने बोला की वह इसका बदला लेंगे और यह कह कर वह लोग मुसलमानों द्वारा चलाई जाने वाली दुकानें और उनकी सम्पत्ति को तोड़ने फोड़ने लगे।
Correction	A week after this incident, reporters from several main Hindi news channels – such as Aaj Tak, Zee News, and NDTV, spent a month thoroughly investigating the story. They interviewed dozens of local stakeholders with knowledge of the case- such as the police, eyewitnesses, neighbors, netas. Finally their investigation found that the initial rumor was actually baseless- none of the Muslim men had tried to spread corona. The mob violence took place because of false information.	इस घटना के एक हफ़्ते बाद, कई न्यूज़ चैनलों जैसे – आजतक, ज़ी न्यूज़ और एनडीटीवी के पत्रकारों ने इलाक़े में एक महीने तक रह कर इस घटना के बारे में छानबीन की। इन पत्रकारों ने कुछ स्थानीय लोगों से बात की जिन्होंने घटना को होते हुए अपनी आँखों से देखा, इन स्थानीय लोगों में पुलिस, चश्मदीद, पड़ोसी और नेता शामिल थे। इन पत्रकारों की छानबीन में पता चला कि शुरू में जो अफ़वाह उड़ी वह निराधार थी – किसी भी मुस्लिम आदमी ने कोरोना फ़ैलाने की कोशिश नहीं की थी। तोड़फोड़ की यह घटना एक गलत जानकारी पर आधारित थी।
positionality1	The day after the violence, local police sprung into action. They immediately decided to investigate whether a crime had actually been committed- whether the Muslim man had actually spat on fruits and vegetables to spread corona—as the rumor suggested.	घटना के अगले दिन स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने तय किया की वह इस बात की छानबीन करेगी की कोई अपराध हुआ भी है की नहीं और क्या वाक़ई में मुस्लिम आदमी ने फ़लों और सब्ज़ियों पर थूक कर कोरोना फैलाने की कोशिश की थी।
positionality2	The day after the violence, local police sprung into action. They immediately started to round up the vigilante mob and arrested them for unlawfully taking justice into their own hands.	घटना के अगले दिन स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने हरकत में आते ही हिंसक भीड़ को पकड़ना शुरू किया क्योंकि भीड़ ने ग़ैरक़ानूनी तरीक़े से न्यायिक प्रक्रिया को अपने हाथों में लिया था।

text of tweet	WhatsApp Rumor Spark Violence in UP: Muslim Shops Burnt By Mob After communicty Accused of Spreading Corona	उत्तर प्रदेश में व्हाट्सऐप पर उड़ी अफ़वाह से फैली हिंसा : मुस्लिम समुदाय द्वारा कोरोना फ़ैलाने के आरोप में हिंसक भीड़ ने मुस्लिम दुकानों में की आगज़नी
VIGNETTE 3		
Rumor	Let me tell you about the incidents that are described in this social media post. In this area, in 2020, people heard a rumor on social media. The rumor said that a Muslim man was illegally transporting cows for slaughter into Uttar Pradesh from a neighboring state. One day, when the Muslim man was driving his lorry on the highway, he was surrounded and stopped by a mob. The mob proceeded to beat the man up, because they did not approve of his actions. As a result of the beating, the Muslim man needed hospitalization and was in a serious condition.	अब मैं आपको इस सोशल मीडिया पोस्ट में लिखी इस घटना के बारे में विस्तार से बताता/बताती हूँ। 2020 में इस मोहल्ले के लोगों ने एक अफ़वाह सुनी जिसमें बताया गया कि एक मुस्लिम आदमी गायों को मीट के लिए तस्करी कर के पड़ोसी राज्य से यूपी में ला रहा था। एक दिन जब वह मुस्लिम आदमी अपनी ट्रक को हाइवे पर से ला रहा था तब उसे भीड़ ने घेर कर रोक लिया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने उसको पीटा क्योंकि उनको उसका गायों को अवैध तरीक़े से लाना पसंद नहीं था। पिटाई की वजह से उस मुस्लिम आदमी की हालत गम्भीर थी और उसे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।
Correction	A week after this incident, reporters from several main Hindi news channels – such as Aaj Tak, Zee News, and NDTV, spent a month thoroughly investigating the story. They interviewed dozens of local stakeholders with knowledge of the case- such as the police, eyewitnesses, neighbors, netas. Finally their investigation found that the initial rumor was actually baseless- the man was not transporting cows for slaughter. The mob violence took place because of false information.	इस घटना के एक हफ़्ते बाद, कई न्यूज़ चैनलों जैसे – आजतक, ज़ी न्यूज़ और एनडीटीवी के पत्रकारों ने इलाक़े में एक महीने तक रह कर इस घटना के बारे में छानबीन की। इन पत्रकारों ने कुछ स्थानीय लोगों से बात की जिन्होंने घटना को होते हुए अपनी आँखों से देखा, इन स्थानीय लोगों में पुलिस, चश्मदीद, पड़ोसी और नेता शामिल थे। इन पत्रकारों की छानबीन में पता चला कि शुरू में जो अफ़वाह उड़ी वह निराधार थी – मुस्लिम आदमी गायों की मीट के लिए तस्करी नहीं कर रहा था। भीड़ द्वारा हिंसा की यह घटना एक ग़लत जानकारी पर आधारित थी।
positionality1	The day after the violence, local police sprung into action. They immediately decided to investigate whether a crime had actually been committed- whether the Muslim man had actually illegaly transported cows for slaughter—as the rumor suggested.	घटना के अगले दिन स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने तय किया की वह इस बात की छानबीन करेगी की कोई अपराध हुआ भी है की नहीं और क्या वाक़ई में मुस्लिम आदमी गायों को मीट के लिए तस्करी कर के पड़ोसी राज्य से यूपी में लाया था, जैसा कि अफ़वाह में कहा गया था।

positionality2	The day after the violence, local police sprung into action. They immediately started to round up the vigilante mob and arrested them for unlawfully taking justice into their own hands.	घटना के अगले दिन स्थानीय पुलिस हरकत में आयी। पुलिस ने हरकत में आते ही हिंसक भीड़ को पकड़ना शुरू किया क्योंकि भीड़ ने ग़ैरक़ानूनी तरीक़े से न्यायिक प्रक्रिया को अपने हाथों में लिया था।
Elite	Following this incident, several politicians and leaders reacted to the violence and put out statements. For example, this is what PM Narendra Modi said on twitter:	घटना के बाद कई नेताओं ने इस हिंसा पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जैसे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर लिखा -
Text tweet 1	Accused in FB posts of illegally importing beef into UP, Muslim truck-driver is stopped and beaten up by crowd	फ़ेसबुक पोस्ट में यूपी में अवैध रूप से बीफ आयात करने का आरोप, मुस्लिम ट्रक-चालक को भीड़ ने रोक कर पीटा।
Text Tweet 2	Killing people in the name of Gau Bhakti is not acceptable This is not something Mahatma Gandhi would approve.	गौ भक्ति के नाम पर लोगों को जान से मारना स्वीकार नहीं है। यह ऐसी वारदात है जिसे महात्मा गांधी भी मंज़ूर नहीं करते।